भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 4378

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है

कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त किए जाने की योजना

4378. श्री अभिषेक बनर्जी:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2030 तक भारत के पचास प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन क्षमता प्राप्त करने के लक्ष्य की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या सरकार ने कोयले को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना बनाई है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पिछले दस वर्षों के दौरान कोयला उत्पादन का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार मौजूदा कोयला उत्पादन क्षमता को बढ़ाने की योजना बना रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला एवं खान मंत्री

(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): भारत ने जून 2025 के दौरान अपनी संचयी इलेक्ट्रिक पावर स्थापित क्षमता का 50% गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित स्रोतों से प्राप्त करने का लक्ष्य हासिल कर लिया है, अर्थात् यह लक्ष्य हमारी वैश्विक प्रतिबद्धता से पाँच वर्ष पहले ही प्राप्त कर लिया गया है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्टों के अनुसार, 30 जून, 2025 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 484.82 गी.वा. है, जिसमें से गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित विद्युत क्षमता 242.78 गी.वा. अर्थात् 50.08% है।

(ख): कोयला भारत में सबसे महत्वपूर्ण और प्रचुर मात्रा में उपलब्ध जीवाश्म ईंधन है और देश की प्राथमिक ऊर्जा आवश्यकता का 55% हिस्सा इसी से पूरा होता है। पिछले चार दशकों में

भारत में वाणिज्यिक प्राथमिक ऊर्जा खपत में लगभग 700% तक की वृद्धि हुई है। कोयला देश में ऊर्जा का का न केवल प्राथमिक स्रोत है, बल्कि इस्पात, स्पंज आयरन, सीमेंट, कागज़, ईंट-भट्ठों आदि जैसे कई उद्योगों में एक घटक के रूप में भी इसका उपयोग किया जाता है।
तदनुसार, जबकि भारत स्वच्छ ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध है, भारत में स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों की ओर पारगमन की गति को ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के विकल्पों और विकास के आलोक में देखा जाना चाहिए।

(ग): पिछले दस वर्षों के दौरान कोयला उत्पादन निम्नानुसार है:-

(मिलियन टन में)

वर्ष	कोयला उत्पादन
2015-16	639.23
2016-17	657.87
2017-18	675.40
2018-19	728.72
2019-20	730.87
2020-21	716.08
2021-22	778.21
2022-23	893.19
2023-24	997.83
2024-25 (अनंतिम)	1047.50

(घ): कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2029-30 तक लगभग 1.5 बिलियन टन (बि.ट.) का घरेलू कोयला उत्पादन करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। सतत खनिकों (सीएम), लॉन्गवॉल (एलडब्ल्यू) और हाईवॉल (एचडब्ल्यू) तथा एचईएमएम की तैनाती के साथ व्यापक उत्पादन प्रौद्योगिकीयों (एमपीटी) जैसी आधुनिक मशीनरी को अपनाने से उत्पादन में वृद्धि हो रही है। माइन डेवलपर और ऑपरेटर की प्रक्रिया को अपनाया गया है और परित्यक्त खानों को भी उत्पादन में शामिल किया जा रहा है। कुशल कोयला उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सीएचपी और संबंधित लॉजिस्टिक्स अवसंरचना को भी बढ़ाया जा रहा है।

****